No. of Printed Pages : 4

RPS-104

Ph.D. IN POLITICAL SCIENCE (PHDPS)

Term-End Examination

00045 **December, 2018**

RPS-104 : GLOBALISATION AND INTERNATIONAL RELATIONS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer a total of **five** questions selecting at least **two** from each section. All questions carry equal marks. Answer each question in about 500 words.*

SECTION I

1. Critically examine the post-Cold War International Relations.

2. Write short notes on the following :
   (a) Neo-Liberalism
   (b) Dependency Theory

3. What is 'Soft Power' Diplomacy ? Assess the Modi Government's policy of projecting India's soft power abroad.

4. Briefly explain the role of India in the South Asian region in the post-Cold War era.

5. Why is the Indo-Pacific Region strategically important to India ? Illustrate with examples.

SECTION II

6. Is the proliferations of regional organisations an integral part of globalisation or is it a political reaction against globalisation ?

7. Analyse India's Foreign Policy challenges and opportunities in the emerging world order.

8. Explain the major factors influencing international civil society organizations.

9. Critically examine the role of International Financial Institutions in the developing world.

10. Write a note on globalisation and the developing world.

आर.पी.एस.-104

राजनीति विज्ञान में पी.एच.डी. (पी.एच.डी.पी.एस.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2018

आर.पी.एस.-104 : वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्न चुनते हुए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए ।*

भाग I

1. शीत युद्ध पश्चात् अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

2. निम्नलिखित पर संक्षिप्त लेख लिखिए :
   (क) नव-उदारवाद
   (ख) निर्भरता सिद्धांत

3. 'नर्म शक्ति' (Soft Power) कूटनीति क्या है ? मोदी सरकार की भारत की नर्म शक्ति को विदेश में प्रदर्शित करने की नीति का मूल्यांकन कीजिए ।

4. शीत युद्ध पश्चात् काल में दक्षिण एशियन क्षेत्र में भारत की भूमिका की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।

5. भारत के लिए सामरिक दृष्टि से भारत-प्रशांत (Indo-Pacific) क्षेत्र क्यों महत्त्वपूर्ण है ? उदाहरणों के साथ समझाइए ।

भाग II

6. क्या क्षेत्रीय संगठनों में वृद्धि वैश्वीकरण का एक अनिवार्य अंग है अथवा वैश्वीकरण के विरुद्ध एक राजनीतिक प्रक्रिया ?

7. उभरती हुई विश्व व्यवस्था में भारतीय विदेश नीति की चुनौतियों और संभावनाओं का विश्लेषण कीजिए ।

8. अंतर्राष्ट्रीय नागरिक समाज संगठनों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की व्याख्या कीजिए ।

9. विकासशील विश्व में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

10. वैश्वीकरण और विकासशील विश्व पर एक लेख लिखिए ।